Under CSR Support by Ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 2 | राजा और उनके राज्य

QUIZ-01

1. **सातवीं से बारहवीं शताब्दी के बीच उपमहाद्वीप में क्या प्रमुख परिवर्तन हुआ?**
   A. केवल विदेशी शासन का विस्तार
   B. नए राजवंशों का उदय
   C. व्यापार का पूर्ण पतन
   D. ग्राम सभाओं का अंत (B)

व्याख्या : इस काल में विभिन्न क्षेत्रों में कई नए राजवंश उभरे, जिन्होंने शासन किया।

2. **'सामंत' किसे कहा जाता था?**
   A. स्वतंत्र राजा
   B. किसान वर्ग
   C. राजा के अधीनस्थ योद्धा-सरदार
   D. व्यापारी संघ के प्रमुख (C)

व्याख्या : सामंत वे बड़े भू-स्वामी और योद्धा थे जो राजा के अधीन रहते थे और सैन्य सहायता देते थे।

3. **राष्ट्रकूट शासक दंतिदुर्ग ने अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए कौन-सा अनुष्ठान किया?**
   A. अश्वमेध यज्ञ
   B. राजसूय यज्ञ
   C. हिरण्यगर्भ अनुष्ठान
   D. वाजपेय यज्ञ (C)

व्याख्या : हिरण्यगर्भ अनुष्ठान से वह स्वयं को क्षत्रिय घोषित करता था।

4. **'महाराजाधिराज' जैसी उपाधियाँ किस बात का संकेत देती थीं?**
   A. धार्मिक अधिकार
   B. सीमित शक्ति
   C. सर्वोच्च सत्ता का दावा
   D. केवल सम्मानसूचक नाम (C)

व्याख्या : ऐसी उपाधियाँ शासकों द्वारा अपनी सर्वोच्च सत्ता दर्शाने के लिए अपनाई जाती थीं।

5. **तमिलनाडु में शासन करने वाला कौन-सा वंश करों की अधिक संख्या के लिए प्रसिद्ध था?**
   A. पाल B. चोल
   C. राष्ट्रकूट D. प्रतिहार (B)

व्याख्या : चोल अभिलेखों में 400 से अधिक प्रकार के करों का उल्लेख मिलता है।

6. **'वेट्टी' किस प्रकार का कर था?**
   A. नकद कर
   B. अनाज कर
   C. जबरन श्रम
   D. व्यापार कर (C)

व्याख्या : वेट्टी कर नकद के बजाय अनिवार्य श्रम के रूप में लिया जाता था।

7. **'प्रशस्ति' का मुख्य उद्देश्य क्या था?**
   A. किसानों का विवरण
   B. व्यापारिक नियम
   C. शासक की उपलब्धियों का बखान
   D. धार्मिक अनुष्ठान (C)

व्याख्या : प्रशस्तियाँ शासकों को वीर और विजयी दिखाने के लिए लिखी जाती थीं।

8. **कन्नौज पर नियंत्रण के लिए किस संघर्ष को 'त्रिपक्षीय संघर्ष' कहा गया?**
   A. पाल–चोल–पांड्य
   B. राष्ट्रकूट–चोल–चाहमान
   C. गुर्जर-प्रतिहार–राष्ट्रकूट–पाल
   D. चोल–पल्लव–पांड्य (C)

व्याख्या : इन तीन शक्तियों के बीच लंबे समय तक कन्नौज के लिए संघर्ष चला।

9. **चोल राज्य की प्रारंभिक राजधानी कौन-सी थी?**
   A. कांचीपुरम
   B. मदुरै
   C. उरैयूर
   D. तंजावुर (C)

व्याख्या : चोल वंश की प्रारंभिक सत्ता उरैयूर से जुड़ी थी।

10. **चोल मंदिर केवल पूजा स्थल ही नहीं थे, बल्कि क्या थे?**
    A. केवल राजमहल
    B. सैन्य अड्डे
    C. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक केंद्र
    D. न्यायालय (C)

व्याख्या : चोल मंदिरों के आसपास शिल्प, कला और सामाजिक गतिविधियाँ विकसित हुईं।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें। 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App